

की सभा के नौ विद्वान- धन्वंतरि-क्षपणक, अमर सिंह, शंकु, वेतालभट्ट, घटखर्पर, कालिदास, वराहमिहिर और वररुचि विष्णे. वस्तुतः ये सभी विद्वान अलग अलग काल में हुए हैं, पर विक्रमादित्य की सभा में इन नामों की गणना कर ली गई है 3. एक विशिष्ट आभूषण, नवरतन हार।

**नवरस पुं. (तत्.)** साहित्य में माने गए काव्य के नौ रस- शृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, अद्भुत, वीभत्स और शांत।

**नवरा पुं. (तद्.)** दे. नेवला, नकुल वि. नया।

**नवरात्र पुं. (तत्.)** 1. नौ दिन तक होने वाला यज्ञ 2. चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक के नौ दिन, जिसमें नवदुर्गा व्रत, घटस्थापन, पूजन किया जाता है, नवें दिन विसर्जन होता है, प्रतिदिन एक दुर्गा के दर्शन भी किए जाते हैं 3. प्रमुख रूप से मनाए जाने वाले दो नवरात्र पर्व चैत्र और आश्विन मासों के शुक्ल पक्ष के प्रारंभिक नौ दिनों में होते हैं, चैत्र मास में वासंतिक नवरात्र और आश्विन मास में शारदीय नवरात्र होता है, इन दिनों देवी की विशेष पूजा होती है।

**नवराष्ट्र पुं. (तत्.)** सहदेव द्वारा दक्षिण दिग्विजय के साथ जीता गया प्राचीन देश।

**नवरिया स्त्री. (देश.)** नाव।

**नवल पुं. (तत्.)** नवीन, नूतन, नव्य, नया 2. सुंदर 3. जवान 4. उज्ज्वल, शुद्ध, साफ, स्वच्छ 5. माल का किराया जो जहाजवालों को दिया जाता है।

**नवल किशोर पुं. (तत्.)** कृष्ण का एक नाम।

**नवल किशोरी स्त्री. (तत्.)** राधा।

**नवल वधू स्त्री. (तत्.)** केशव के सौंदर्य पर मुग्ध नायिका के चार भेदों में से एक।

**नवला वि. (तत्.)** नई, नवीन, चढ़ती वय की स्त्री. (तत्.) नवीन स्त्री, तरुणी।

**नवलार पुं. (तत्.)** जैनियों का एक मंत्र।

**नवलेवा पुं. (तत्.)** बड़ी हुई नदी के उतरने से किनारे पर रह जाने वाली कीचड़, नदी के किनारे की दलदल।

**नववधू स्त्री. (तत्.)** 1. विवाह के लिए तैयार वधू 2. नवविवाहिता, नई बहू, जिसका अभी-अभी विवाह हुआ हो वह स्त्री या नायिका।

**नववर्ष पुं. (तत्.)** 1. नया वर्ष, नया साल 2. वर्ष का पहला दिन- भारतीय चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, यूरोपीय पहली जनवरी।

**नववल्लभ पुं. (तत्.)** गंध द्रव्यों में परिगणित एक प्रकार का अगर।

**नव वासुदेव पुं. (तत्.)** रत्नसार के अनुसार जैनों के नव वासुदेव जो कुछ तीर्थंकरों के समय नरक गए थे।

**नववास्तु पुं. (तत्.)** एक वैदिक राजर्षि का नाम।

**नवविंश वि. (तत्.)** क्रम के अट्ठाईस के बाद यानी उनतीसवां, तीस से एक कम।

**नवविष पुं. (तत्.)** नौ प्रकार का आयु. नौ प्रकार के विष जो औषधि का कार्य भी करते हैं- वत्सनाभ, हरिद्रक, सक्तुक, प्रदीपन, सौराष्ट्रिक, शृंगक, कालकूट, हलाहल (हालाहल) और ब्रह्म पुत्र।

**नवव्यूह पुं. (तत्.)** विष्णु का एक नाम।

**नवशक्ति स्त्री. (तत्.)** पुराणों के अनुसार शक्ति की अधिष्ठात्री नौ देवियाँ प्रभा, माया, जया, सूक्ष्मा, विशुद्धा, नंदिनी, सुप्रभा, विजया और सर्वसिद्धिदा।

**नवशब्द पुं. (तत्.)** नया शब्द।

**नवशब्दनिर्माण पुं. (तत्.)** (नई खोजों के परिणामस्वरूप उत्पन्न नई संकल्पनाओं की अभिव्यक्ति के लिए विद्यमान शब्दों के उपयुक्त सिद्ध न होने की स्थिति में) नए शब्दों की रचना।

**नवशायक पुं. (तत्.)** ग्वाला, माली, जुलाहा, हलवाई, कुम्हार, लोहार और हजाम ये नौ संकर जातियाँ जो शुद्ध शूद्र जाति के अंतर्गत हैं।